CHAHAL ACADEMY
LEARN TODAY! LEAD TOMORROW!
96259-93995

SDF-B-PHLY

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : **तीन** घंटे
Time Allowed : **Three** Hours

अधिकतम अंक : **250**
Maximum Marks : **250**

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हुए हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) आपके विचार में, जॉन रॉल्स प्लेटो की न्याय की संकल्पना को किस सीमा तक जारी रखे हुए है ?

How far do you think John Rawls is continuing with Plato's concept of justice ? *10*

(b) आधुनिक धर्मनिरपेक्ष राज्य में, धर्मतंत्र की स्थिति पर चर्चा कीजिए ।

Discuss the status of theocracy in the modern secular state. *10*

(c) राजनीतिक अराजकतावादी के रूप में, महात्मा गाँधी का मूल्यांकन कीजिए ।

Evaluate Mahatma Gandhi as a political anarchist. *10*

(d) क्या भ्रष्टाचार सामूहिक हिंसा का एक रूप नहीं है ? चर्चा कीजिए ।

Is corruption not a form of mass violence ? Discuss. *10*

(e) क्या स्त्री-पुरुष समानता को समाजवादी शासन-प्रणाली में साकार किया जा सकता है ? विश्लेषण कीजिए ।

Can gender equality be realised within a socialist regime ? Analyse. *10*

Q2. (a) क्या अधिकार नागरिकों को राज्य के प्रति जवाबदेह बनाते हैं ? वर्तमान भारतीय परिदृश्य के संदर्भ में तर्क प्रस्तुत कीजिए ।

Do rights make citizens accountable to the State ? Argue in the context of the present Indian scenario. *20*

(b) बहुसांस्कृतिकता के विचारों पर वर्णनात्मक एवं आदर्शक परिप्रेक्ष्य क्या-क्या हैं ?

What are the descriptive and normative perspectives on ideas of multiculturalism ? *15*

(c) क्या प्रौद्योगिकीय विकास, समाज के नैतिक मानकों में प्रगति की ओर ले जाता है ? स्पष्ट कीजिए ।

Does technological development lead to progress in the ethical standards of the society ? Explain. *15*

Q3. (a) चर्चा कीजिए कि ऑस्टिन की संप्रभुता की संकल्पना कौटिल्य की संप्रभुता की संकल्पना के साथ कहाँ तक मेल खाती है ।

Discuss how far does Austin's concept of sovereignty go along with Kautilya's concept of sovereignty. *20*

(b) समालोचनापूर्वक विचार कीजिए कि स्त्री-पुरुष भेदभाव वास्तव में मनुष्य-निर्मित संकल्पना है न कि प्रकृति के द्वारा प्रदान किया गया है ।

Consider critically, that gender discrimination is a rather man-made concept but not naturally endowed. *15*

(c) आपके विचार में प्रचलित मुक्त बाज़ार अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, मार्क्सवाद का भविष्य क्या है ?

What do you consider to be the future of Marxism in the context of the prevalent free market economy ? *15*

Q4. (a) परीक्षण कीजिए कि क्या धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र की दार्शनिक आधारभूमि के बारे में महात्मा गाँधी और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों में कोई भेद है अथवा नहीं है ।

Examine whether there is any difference between the views of Mahatma Gandhi and Dr. Babasaheb Ambedkar on the philosophical foundations of secular democracy. *20*

(b) क्या स्वतंत्रता, समता को परिसीमाओं में बाँधती है ? चर्चा कीजिए ।

Does liberty put limitations to equality ? Discuss. *15*

(c) क्या मृत्युदण्ड सामाजिक न्याय के सिद्धांत को निर्बल बनाता है ? चर्चा कीजिए ।

Does capital punishment weaken the doctrine of social justice ? Discuss. *15*

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) आत्मानुभूति प्रकटन में साधनरूप क्या है : आस्था या तर्क ? अपने मत की पुष्टि कीजिए ।

What is instrumental to self-revelation : Faith or Reason ? Justify your position. *10*

(b) क्या आज के वैश्वीकरणी संसार में धर्म मानवता के लिए एक एकीकारी बल है ? चर्चा कीजिए ।

Is religion a uniting force for humanity in the globalizing world as of today ? Discuss. *10*

(c) क्या धर्म के नाम पर हिंसा के समर्थन में कोई दार्शनिक तर्क संभव है ? चर्चा कीजिए ।

Can there be a philosophical argument to support violence in the name of religion ? Discuss. *10*

(d) क्या धार्मिक जीवन प्रणाली में निष्ठावान् प्रतिबद्धता मनुष्य को सामाजिक नैतिकता से पथभ्रष्ट कर देती है ? परीक्षण कीजिए ।

Does a devoted commitment to a religious way of life make man go astray from social morality ? Examine. *10*

(e) जैन धर्म में ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रतिपादित प्रमाणों का कथन कीजिए और मूल्यांकन कीजिए ।

State and evaluate the proofs for the existence of God as propounded in Jainism. *10*

Q6. (a) चर्चा कीजिए कि धार्मिक प्रतीकवाद रहस्यवाद को जन्म देता है अथवा नहीं और कैसे जन्म देता है ।

Discuss whether and how does religious symbolism lead to mysticism. *20*

(b) अहित एवं अपवित्र की अवधारणाएँ धर्म को मज़बूत नींव प्रदान करने में क्या भूमिका निभाती हैं ?

What role do the concepts of evil and profane play to provide a firm foundation to religion ? *15*

(c) एक धार्मिक व्यक्ति कैसे ईश्वरविहीन धर्म की संभावना से इनकार करेगा ? चर्चा कीजिए ।

How would a religious person deny the possibility of a religion without God ? Discuss. *15*

Q7. (a) धार्मिक बहुतत्त्ववादियों एवं धार्मिक अनन्यतावादियों के बीच वाद-विवाद में केंद्रीय समस्या को प्रतिपादित कीजिए और स्पष्ट कीजिए ।

Expound and explain the central problem in the discussion between religious pluralists and religious exclusivists. *20*

(b) सभी समय नैतिक किस कारण बना रहे, इस बात का पूर्णरूपेण समाधान धर्मनिरपेक्ष नैतिकता नहीं निकाल सकती है । परीक्षण कीजिए ।

Secular ethics cannot fully resolve as to why one should be moral all the time. Examine. *15*

(c) धार्मिक अनुभव को किस सीमा तक सार्वजनिक संवाद का एक विषय बनाया जा सकता है ? विश्लेषण कीजिए ।

How far can religious experience be made a topic of public discourse ? Analyse. *15*

Q8. (a) हिन्दू धर्म में कर्म, पुनर्जन्म एवं पुन:अवतरण के सिद्धांतों का कथन कीजिए और उनको स्पष्ट कीजिए ।

State and explain the doctrines of Karma, Rebirth and Reincarnation in Hinduism. *20*

(b) ईश्वर के वैयक्तिक एवं अवैयक्तिक स्वरूपों का कथन कीजिए और मूल्यांकन कीजिए ।

State and evaluate the personalistic and impersonalistic aspects of God. *15*

(c) भारत में किसी एक धर्म के अनुसार, मानव और ईश्वर के बीच संबंध पर चर्चा कीजिए ।

Discuss the relationship between man and God according to any one of the religions in India. *15*